भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4222

22 मार्च, 2021 को उत्तर के लिए

स्टील बारों हेतु गुणवत्ता जांच

4222. श्री जी.एम. सिद्देश्वर:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 24 में से 18 स्टील बार ब्रांड बीआईएस मानदंडों द्वारा गुणवत्ता परीक्षण में विफल रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने वित्तपोषण को बढ़ावा देने के लिए इस्पात को एक बुनियादी ढांचे का दर्जा देने पर विचार किया है; और

(घ) सरकार द्वारा लौह अयस्क और कोकिंग कोक के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) और (ख): अक्टूबर 2018 में, बीआईएस के समक्ष फर्स्ट कंस्ट्रक्शन काउंसिल (एफसीसी) नामक एक संगठन द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट आई थी जिसमें यह सूचित किया गया था कि नमूनों के परीक्षण के दौरान देश कै 26 टीएमटी बार ब्रांडों में से 18 ब्रांड गुणवत्ता मानकों में असफल रहे। एफसीसी के दावों की जांच करने के उद्देश्य से बीआईएस ने नमूने के अवशेषों के पुन: परीक्षण के लिए सहमति प्रदान करने हेतु एफसीसी से संपर्क किया। तथापि, एफसीसी ने सहमति देने से इनकार कर दिया।

(ग) और (घ): हालांकि घरेलू इस्पात उद्योग की मांग को देश में उत्पादित लौह अयस्क से पूरा किया जाता है, फिर भी देश में उच्च गुणवत्ता वाले कोकिंग कोयले (कम राख वाला कोयला) की उपलब्धता सीमित है। घरेलू बाजार में लौह अयस्क की उपलब्धता में और अधिक वृद्धि करने की दृष्टि से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) को पिछले वर्ष में इसके कुल लौह अयस्क के उत्पादन के 25% को खुले बाजार में उपलब्ध कराने की अनुमति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, सेल की अपनी कैप्टिव खदानों में पड़े हुए निम्न ग्रेड के लौह फाइंस और अयस्कों के 70 मिलियन टन के पुराने भंडार (स्लाइम सहित)

का निपटान करने की भी अनुमति दे दी गई है। भारतीय इस्पात उद्योगों के लिए कोकिंग कोयले की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

- बीसीसीएल और सीआईएल द्वारा नए वाशरी की स्थापना तथा सेल द्वारा मौजूदा वाशरी की क्षमता में वृद्धि।
- कोकिंग कोयले के आयात के स्रोतो का विविधीकरण।
- इस्पात के सीपीएसई को कोकिंग कोयला खानों का आवंटन करना अर्थात एनएमडीसी को टोकिसुड उत्तरी कोयला खान और रोहने कोयला खान और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) को राबोडीह ओपन कास्ट परियोजना (ओसीपी) कोयला खान।
- बीसीसीएल से सेल को कच्चे कोकिंग कोयले का दीर्घकालिक लिंकेज प्रदान करना।
- सेल के पक्ष में टसरा कोकिंग कोयला ब्लॉक के पट्टे का विस्तारण।

****